महत्वपूर्ण एवं खास

मछली पकड़ने के जाल में फंसकर मछुआरे की मौत

रतनपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले से 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित खुटाघाट बांध में मछली पकड़ने गए मछुआरे की खुद के द्वारा लगाए गए जाल में फंसकर जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही रतनपुर पुलिस की टीम ने शव का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने बताया कि मृतक का नाम नन्दू राम गौड़ उम्र 35 वर्ष निवासी ग्राम सीस हैं जो बीती रात अपना घर वापस नही गया परिजन आज सुबह मे खोजबीन की तभी उन्होंने नन्दू की लाश को बाँध के किनारे देखा जिसकी सूचना पुलिस को दी।

कलयुगी पुत्र ने बसूले से पिता का काटा गर्दन

बिलासपुर (आरएनएस)। कलयुगी बेटे ने अपने पिता की बेरहमी से हत्या कर दी। हत्याकांड से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। ये मामला रतनपुर थाना क्षेत्र के ही ग्राम पंचायत रिंगवार के आश्रित ग्राम पिपरपारा का है। जहां रहने वाले भावन सिंह पिता गुलाब सिंह उम्र 60 को बीती रात उसके ही बेटे सियाराम उम्र 30 वर्ष ने बसुले से गला काटकर मौत के घाट उतार दिया है। मिली जानकारी के अनुसार पिता और पुत्र दोनों आंगन में सोए हुए थे। आज सुबह जब घर के अन्य सदस्य सोकर उठे तो उनके होश उड़ गए, खून से तथपथ लाश बाड़ी में देखते ही सनसनी फैल गई। तभी परिजनों को पता चला हत्या करने वाला कोई और नहीं उनका बेटा ही है। मामले में रतनपुर पुलिस ने बेटे को अपनी हिरासत में ले लिया है और पूछताछ में जुट गई है।

शिक्षक ने फांसी लगाकर दी जान, कोरोना संक्रमित था शिक्षक

बीजापुर (आरएनएस)। जिले में कोरोना से संक्रमित एक शिक्षक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। शनिवार को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए भोपालपटनम के रूद्राराम कोविड सेंटर में भर्ती कराया गया था। सोमवार को उन्होंने अपने गमछे को फंदा बनाकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी पुलिस को मिलते ही जांच में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के भोपालपटनम अंतर्गत कोंगुपल्ली निवासी 41 वर्ष के नरेंद्र मिच्चा पेशे से शिक्षक था। कुछ दिन पहले कोरोना के लक्षण दिखने पर उन्होंने अपना कोरोना टेस्ट करवाया था। शनिवार को उनकी कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए भोपालपटनम के रूद्राराम कोविड सेंटर में भर्ती कराया गया था। जहां उन्होंने सोमवार की शाम 7 बजे बाथरूम में गमछे को गले बांध कर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अभी पता नहीं चल पा रहा है। बताया जा रहा है कि शिक्षक नरेंद्र मिच्चा कोरोना रिपोर्ट आने के बाद मानसिक तनाव में थे। इसी के चलते उन्होंने आत्महत्या कर ली।

वाहन चेकिंग में एक बोलेरो वाहन से मिले 15 लाख रूपए नगद

कवर्धा (आरएनएस)। कवर्धा जिले के बोडला पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक कार से 15 लाख रूपए नगद बरामद किया है। पैसे के संबंध में कार सवारों द्वारा सही जानकारी नही दिये जाने पर पुलिस ने पैसे जब्त कर लिये है तथा युवक को कोर्ट में पेश किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस बोडला के पास आने जाने वालो वाहनों की तलाशी ले रही थी इसी दौरान एक बोलेरो चालक युवक को रोका गया तथा गाड़ी की तलाशी ली गई। तलाशी में पुलिस को गाड़ी से पांच सौ तथा दो हजार के नोट के बंडल कुल रकम 15 लाख रूपए मिले। पुलिस ने वाहन चला रहे बालाघाट मध्यप्रदेश के इमरान खान को जब पैसे के संबंध में दस्तावेज मांगे तो युवक कुछ भी सही सही नही बता पाया। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर पैसे जब्त कर लिये तथा युवक को कोर्ट में पेश किया गया।

लोगों को अब घर बैठे सुगमता से मिलेगी परिवहन विभाग की 22 सेवाएं : सीएम

» मुख्यमंत्री ने नई सुविधा 'तुंहर सरकार, तुंहर द्वार' का किया शुभारंभ

» लोगों को नवीन व्यवस्था से मिलेगा ड्राईविंग लाइसेंस तथा रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट सहित परिवहन विभाग की 22 तरह की सेवाओं का लाभ

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज यहां अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में परिवहन विभाग की नई सुविधा 'तुंहर सरकार, तुंहर द्वार' का वर्चुअल शुभारंभ किया। इस नयी सुविधा के माध्यम से परिवहन विभाग द्वारा प्रदेशवासियों को 22 परिवहन सेवाएं उनके घर के द्वार पर पहुंचाकर दी जाएंगी। इन सेवाओं में स्मार्ट कार्ड आधारित ड्रायविंग लायसेंस और रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र से संबंधित परिवहन सेवाएं शामिल हैं। स्पीड पोस्ट के माध्यम से आवेदकों एवं वाहन स्वामियों के घर के पते पर इन सेवाओं को पहुंचाया जाएगा। आवेदकों को सेवाएं प्राप्त करने के लिए ूण्चंतपअींदण्हवअण्पद पर आवेदन करना होगा। इस सुविधा में स्वैच्छिक 'आधार' प्रमाणीकरण से परिवहन सेवाएं तत्काल प्राप्त होंगी। इस सेवा के शुरू होने पर छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य बन गया है, जहां परिवहन विभाग ड्राइविंग लाइसेंस एवं पंजीयन संबंधित सेवाओं को आधार से एकीकृत कर रहा है।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर कहा कि वर्तमान सरकार द्वारा राज्य में लोगों के जीवन को हर हाल में आसान बनाने का काम सतत रूप से किया जा रहा है। इस कड़ी में राज्य शासन द्वारा परिवहन विभाग की सेवाओं को जन सामान्य के लिए पहले से ज्यादा सुगम बनाया जा रहा है। राज्य सरकार की यह सोच है कि जनसुविधाएं जितनी सुगमता से लोगों तक पहुंचेंगी उनका जीवन उतना ही आसान होगा और विकास की गति तेज होगी। समय के अनुरूप लोगों तक शासन की सेवाएं पहुंचाने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। परिवहन विभाग द्वारा कोरोना संकट के समय में ऑनलाईन सेवाएं पहुंचाने की सराहनीय पहल की गई है। इससे भीड़-भाड़ से होने वाले संक्रमण से जहां बचा जा सकेगा, वहीं लोगों को परिवहन कार्यालय का चक्कर लगाने से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने इस अवसर पर प्रदेशवासियों और परिवहन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री बघेल इस दौरान वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रायपुर तथा दुर्ग में उपस्थित छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अमर परवानी तथा आटो मोबाईस डीलर्स एसोसिएशन से मनीष राज सिंघानिया आदि से परिवहन विभाग द्वारा आज शुरू की गई नई सुविधा के बारे में फीड बैक लिया। उनके द्वारा भी परिवहन विभाग द्वारा ऑनलाईन सेवाएं प्रदान करने की पहल की सराहना की गई।

परिवहन मंत्री मोहम्मद अकबर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि परिवहन विभाग द्वारा लोगों तक 22 महत्वपूर्ण सेवाओं को ऑनलाईन पहुंचाने की पहल की गई है। इससे विभाग के काम-काज में और अधिक पारदर्शिता आएगी तथा जवाबदेही भी बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से लोगों को परिवहन संबंधी सेवाओं के लिए अब चक्कर काटना नही पड़ेगा और उनके समय और धन दोनों की बचत होगी। परिवहन मंत्री अकबर ने बताया कि परिवहन विभाग में लागू इस नवीन व्यवस्था से लोगों को ड्राईविंग लाईसेंस तथा रजिस्ट्रेशन सर्टिफिक्रेट सहित 22 तरह की परिवहन संबंधी सेवाएं आवेदनकर्ता को घर बैठे ही उनके पंजीकृत पते पर सुगमता से उपलब्ध हो जाएगी। ट्रेकिंग सिस्टम के माध्यम से स्पीड पोस्ट से भेजी गई डाक की लोकेशन भी ट्रेक की जा सकेगी। मुख्यमंत्री बघेल और परिवहन मंत्री अकबर ने 'तुंहर सरकार, तुंहर द्वार' सुविधा के तहत आवेदकों को स्पीड पोस्ट से भेजे जाने वाले ड्राईविंग लाइसेंस और पंजीयन प्रमाण पत्र प्रवर अधीक्षक डाकघर रायपुर संभाग बी.एल. जांगड़े और सहायक अधीक्षक डाकघर रायपुर जे.एस.पारधी को सौंपे।

न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार मिश्रा छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने, पदभार किया ग्रहण

रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के मुख्य न्यायाधीश पीआर रामचंद्र मेनन के 31 मई को सेवानिवृत्त होने के पश्चात सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली द्वारा जारी आदेश के अनुसार प्रशांत कुमार मिश्रा छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट बिलासपुर के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश बने। सुबह मिश्रा ने मंगलवार को पदभार एवं कार्यभार ग्रहण किया। ज्ञातव्य है कि न्यायमूर्ति मिश्रा देश के प्रमुख कानूनविदों में गिने जाते हैं। न्यायमूर्ति मिश्रा के पदभार एवं कार्यभार ग्रहण करने के साथ ही हाईकोर्ट में लंबित मामलों की सुनवाई के लिए नया रोस्टर बनाये जाने का निर्देश रजिस्ट्रार जनरल हाईकोर्ट को दिया है। ग्रीष्म अवकाश खत्म होने के बाद ही मंगलवार से सिंगल बैंच एवं डब्बल बैच में काजलिस्ट के अनुसार मामलों के सुनवाई के लिए नये रोस्टर के अनुसार पदस्थ न्यायाधीशों को विभिन्न मामलों की सुनवाई के लिए लंबित प्रकरण निराकरण हेतु मुख्य न्यायाधीश के निर्देश पर सुनवाई के लिए रजिस्ट्रार द्वारा प्रेषित किये जाएंगे।

कुएंमारी के जंगल में हुई मुठभेड़ में दो नक्सली मारे गये

» मुठभेड़ स्थल से एक नग एस.एल.आर., 1 नग 303 रायफल एवं 3 नग 12 बोर बंदूक सहित अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद

कोंडागांव (आरएनएस)। जिले के केशकाल ब्लाक के कुएंमारी के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मंगलवार दोपहर को हुई मुठभेड़ में डीआरजी के जवानों ने दो नक्सलियों को मार गिराया है। उनके शव भी बरामद कर लिए गए हैं, मौके से कुछ हथियार भी मिले हैं। कोंडागांव एसपी सिद्धार्थ तिवारी ने मुठभेड़ की पुष्टि करते हुए बताया कि मुठभेड़ दो नक्सली मारे गये है,तथा नक्सलियों के चार हथियार भी बरामद हुए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार केशकाल ब्लाक के अंदरूनी ग्राम कुएंमारी की ओर उत्तर बस्तर कांकेर मैनपुर डिवीजन के सक्रिय रमेश टेकाम सहित लगभग 10 से 12 नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर डीआरजी के जवानों को रवाना किया गया था। जवानो को आता देखकर ग्राम कुएंमारी के जंगलों में घात लगाए नक्सलियों ने डीआरजी के जवानों पर हमला कर दिया। जवानों के द्वारा मोर्चा संभलते हुए जवाबी कार्यवाही में करीब एक घंटे चली मुठभेड़ के बाद जवानों को भारी पड़ता देख नक्सली वहां से जान बचाकर भाग हुए। जवानों ने सर्चिंग के दौरान नक्सलियों के दो शवों बरामद किया है। इसके साथ ही घटना स्थल से 01 नग एस.एल.आर, 01 नग .303 रायफल, 03 नग 12 बोर रायफल, पिट्ठू, नक्सली साहित्य, बैनर, पोस्टर, टेंट सामग्री, बर्तन एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद की गई। जवानों का दावा है कि कुछ और नक्सलियों के मारे जाने तथा घायल होने की भी संभावना है। मारे गए नक्सलियों की पहचान नहीं हो सकी है।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि विगत कुछ दिनों से कोंडागांव और कांकेर के सीमावर्ती क्षेत्र में नक्सलियों के उपस्थिति की सूचना की जानकारी मिलने पर जिला कोंडागांव एवं कांकेर के बीएसएफ/ एसटीएफ/ आईटीबीपी एवं डीआरजी का बल क्षेत्र में नक्सल उन्मूलन अभियान संचालित किया जा रहा था।

18.34 प्रतिशत लोगों ने कोविड-19 महामारी के दौरान छोड़ा तंबाकू

» अगस्त 2020 में अस्पताल में भर्ती मरीजों पर किया गया सर्वे

रायपुर (आरएनएस)। कोरोना महामारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग जुटा हुआ है। कोविड-19 महामारी पर नियंत्रण के लिए स्वास्थ्य विभाग के साथ ही अन्य विभाग भी सहभागी बन अलग-अलग तरह से लोगों को स्वास्थ्यगत सलाह और परामर्श प्रदान कर रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ कोविड और तंबाकू इंटर रिलेशन पर एक सर्वे किया गया जिसमें 18.34 प्रतिशत लोगों ने कोविड की वजह से तंबाकू का सेवन करना छोड़ दिया है। तंबाकू नियंत्रण सेल द्वारा जिन लोगों ने तंबाकू सेवन करना बंद नहीं किया है, उनसे भी तंबाकू छोड़ने की अपील की गई है।

कोविड टोबैको इंटर रिलेशन सर्वे इन छत्तीसगढ़ अगस्त 2020 में किया गया था। 5 अगस्त से 18 अगस्त 2020 के बीच अस्पताल में भर्ती मरीजों से साक्षात्कार विधि (टेलीफोनिक) के माध्यम से राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन के मार्गदर्शन में टोबैको कंट्रोल की बीआई टीम द्वारा डेटा संग्रह किया गया था। इनमें कुल 229 तंबाकू उपयोगकर्ता पाए गए जो 12.76त्न है। राज्य नोडल अधिकारी डॉ. कमलेश जैन ने बताया सर्वे में यह सामने आया है 18 .34 प्रतिशत लोगों ने कोविड के कारण तंबाकू का सेवन करना छोड़ दिया है ,यह एक अच्छा संकल्प लोगों ने लिया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार भी जो लोग तंबाकू का सेवन करते हैं उनमें कोविड-19 का संक्रमण अधिक तेजी से फैलता है। क्योंकि धूम्रपान करने वालों के फेफड़े अपेक्षाकृत कमजोर होते हैं। धूम्रपान करने वाले लोगों में कोरोना संक्रमण के गंभीर होने का खतरा 50 प्रतिशत बढ़ जाता है। फेफड़े कोरोना वायरस व उससे जुड़ी बीमारियों से लड़ने में भी सक्षम नहीं होते है। ऐसे में जिन लोगों ने कोविड के बाद भी तंबाकू का सेवन करना नहीं छोड़ा है, उनसे अपील है कि वह तंबाकू का सेवन करना यथाशीघ्र छोड़ दें।

उल्लेखनीय है राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदेश भर में लगातार अनेक जागरूकता कार्यक्रमों, प्रशिक्षणों और कार्यशालाओं का आयोजन किया जा रहा है। इनमें सभी जिलों के तम्बाकू नियंत्रण इकाई के नोडल अधिकारियों, जिला सलाहकारों, परामर्शदाताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ ही कोतपा एक्ट के पालन से जुड़े श्रम विभाग, पुलिस विभाग, परिवहन विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, स्कूल व उच्च शिक्षा विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

सिकंदराबाद-रक्सौल के मध्य साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन 4 फेरे लगाएगी

रायपुर (आरएनएस)। सिकंदराबाद एवं रक्सौल के मध्य यात्रा करने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए रेल प्रशासन के द्वारा 04 फेरों के लिये साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन की सुविधा दी जा रही है।

यह स्पेशल ट्रेन संख्या 07026 सिकंदराबाद से रक्सौल के लिये प्रति 04, 11, 18 एवं 25 जून 2021 को चलेगी। यह स्पेशल ट्रेन सिकंदराबाद से 23.35 बजे रवाना हो कर अगले दिन 11.55 बजे दुर्ग, 12.35 बजे रायपुर, 14.30 बजे बिलासपुर होते हुए अगले दिन 16.50 बजे रक्सौल पहुंचेगी। इसी प्रकार यह ट्रेन संख्या 07025 रक्सौल से सिकंदराबाद के लिए प्रति सोमवार 07, 14, 21 एवं 28 जून 2021 को चलेगी। यह ट्रेन रक्सौल से 03.25 बजे रवाना होकर अगले दिन 04.50 बजे बिलासपुर, 06.35 बजे रायपुर,07.30 बजे दुर्ग होते हुए 19.00 बजे सिकंदराबाद पहुंचेगी। इस गाड़ी में 02 एसएलआर, 02 सामान्य, 10 स्लीपर, 06 एसी-3 एवं 02 एसी-2 सहित, 01 पार्सल कोच सहित कुल 23 कोच रहेगी।

जितवरा पहाड़ी से निकलकर ग्राम बकमा पहुंचे दो दंतैल

» रात तीन बजे ब्यारा पहुंचकर ट्रॉली में लोड धान की बारियों को पहुंचाया नुकसान

महासमुंद (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले के जिवतरा के खोर्रा पहाड़ी पर पिछले तीन-चार दिनों से दो दंतैल घूम रहे हैं । ये दंतैल रात में यहां से निकलकर फिर सुबह होते वापस आ जाते हैं । सोमवार रात तीन बजे दोनों दंतैल पहाड़ी से निकलकर ग्राम बकमा पहुंचे जहां उनकी नजर ट्रैक्टर पर लोड धान पर पड़ी । दोनों दंतैल ब्यारे में घुस गए और धान खाकर रखे बोरियों को बिखेर दिया। इसके बाद अल सुबह होते ही ये दंतैल फिर पहाड़ी की ओर चले गए । इधर, दंतैल के विचरण से ग्रामीण दहशत में है, क्योंकि दोनों दंतैल आक्रमक हो गए है । दो दिन पहले ही बागबाहरा वन परिक्षेत्र में एक महिला की जान ली है। वन विभाग की मानें तो ये दोनों टस्कर है। दंतैल के क्षेत्र में विचरण करने से विभाग ने आसपास के गांवों में मुनादी कराकर अलर्ट जारी कर दिया गया है । वहीं जनहानि को देखते हुए विभाग ने रात में घर से निकलने के लिए ग्रामीणों का मना कर किया गया है। दोनों टस्कर पहाड़ी में है । देर रात को यहां से निकलेंगे । विभाग की नजर दोनों पर बनी हुई है। वन परिक्षेत्र अधिकारी एसआर डड़सेना ने बताया कि रविवार रात साढ़े 8 बजे दोनों दंतैल पहाड़ी से निकलकर बकमा व जिवतरा के आसपास खेतों में घुमते हुए ग्रामीणों ने देखा था । सूचना के बाद गांव में अलर्ट जारी करते हुए रात में निकलने से मना किया गया था । रात तीन बजे दोनों दंतैल बकमा में उजाला पिता पवन चंद्राकर के ब्यारा में प्रवेश किया । इसी दौरान उसकी नजर ट्रॉली में लोड धान की बोरियों पर पड़ी और धान खाकर बारियों को बिखेर दिया। घंटेभर आतंक मचाने के बाद उजाला होने से पहले जिवतरा एवं कोना के बीच खोर्रा पहाड़ी पर चले गए । उन्होंने बताया कि सुबह नुकसान का प्रतिवेदन बनाने टीम पहुंची थी। किसान को दंतैल द्वारा किए गए नुकसान की राशि का भुगतान किया जाएगा।

वन विभाग की टीम पहाड़ी पर दंतैल होने की वजह से आसपास के गांव धनसूली, जीवतरा ,बकमा , परसदा (ख), कोना, खट्टी में अलर्ट जारी करा दिया गया है । मुनादी कराते हुए ग्रामीणों को बताया भी जा रहा है कि दंतैल रात में गांव की गलियों व खेतों में पहुंच सकते हैं, इसलिए रात के अंधेरे में निकलने के लिए मना किया गया है ।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमपूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुं सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता फैल करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूल मिशन पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण को मिली रफ्तार

कांकेर (आरएनएस)। अतिसंवेदनशील एवं घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों के निर्माण के साथ ही नवीन सड़कों के निर्माण को गति प्रदान किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों को बारहमासी आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो रही है, इसके साथ ही अन्य विकास कार्यों में भी तेजी आएगी। शासन के निर्देशानुसार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नवीन मार्गों का निर्माण कर पहुंचविहीन बसाहटों को बारहमासी पक्की सड़कों से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर, दुर्गूकोंदल एवं कोयलीबेड़ा विकासखण्ड में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजनांतर्गत सड़कों का निर्माण कर पहुंचविहीन बसाहटों को मुख्य मार्ग से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। सड़कों के निर्माण के साथ ही वृहद पुलों का निर्माण और पूर्ण सड़कों का संधारण भी कराया जा रहा है। वर्ष 2000 से अब तक 242 नवीन सड़कें और 13 नवीन वृहद पुलों का निर्माण कार्य स्वीकृत किये गये हैं। भानुप्रतापपुर विकासखण्ड अंतर्गत 332.02 किलोमीटर लंबाई के 66 सड़कें, दुर्गूकोंदल विकासखण्ड में 257.81 किलोमीटर लंबाई के 58 सड़कें और कोयलीबेड़ा विकासखण्ड में 584.24 किलोमीटर लंबाई के 118 सड़कें स्वीकृत किया गया है। इसी प्रकार भानुप्रतापुर विकासखण्ड में 06 वृहद पुल और दुर्गूकोंदल विकासखण्ड में 07 वृहद पुलों का निर्माण स्वीकृत किये गये हैं।

अतिसंवेदनशील नक्सल प्रभावित क्षेत्र विकासखण्ड कोयलीबेड़ा में स्वीकृत 584.24 किलोमीटर लंबाई के 118 सड़कों से 161 बसाहटों को जोड़ने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है, जिसमें से 331.26 किलोमीटर लंबाई के 77 सड़कों का निर्माण कार्य पूरा किया जाकर 139 बसाहटों को जोड़ा गया है। इन सड़कों के निर्माण कार्य के समय कई कठिनाईयों का सामना भी करना पड़ा, कई बार वाहनों को आग लगा दी गई, इसके बाद भी निर्माण कार्य पूरा किया गया। सड़कों के निर्माण से पहुंचविहीन ग्राम कोदासाल्हेभाट, मांझीपारा, सलिहापारा अब मुख्यमार्गों से जुड़ चुके हैं। इसी प्रकार कोयलीबेड़ा-प्रतापपुर रोड से पोरोण्डी मार्ग का निर्माण होने से डोंगरीपारा, खुटगांव, स्कूलपारा जैसे पहुंचविहीन गांव भी जुड़ गये हैं। वर्तमान में अतिसंवेदनशील क्षेत्र कोयलीबेड़ा में सड़कों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।